जय गुरु देव

गुरुभक्तों का यह उद्देश्य ।
आध्यात्मिक गुरु हो भारत देश ।।

हाथ जोड़कर विनय हमारी ।
तजो नशा बनो शाकाहारी ।।

निजधाम वासी परम् पूज्य
बाबा जयगुरुदेव जी महाराज

गुरु पूजा में सबकी पूजा, गुरु समान कोई देव न दूजा।

परम् सन्त बाबा उमाकान्त जी महाराज

सन्तमत के अनुसार इस समय कलयुग में गुरु का बहुत बड़ा महत्व है, और जब समर्थ गुरु मिल जाते हैं, दया कर देते हैं तब दुख, तकलीफ, बीमारी, टेंशन तो खत्म होती ही हैं साथ ही साथ जीवात्मा के कल्याण का रास्ता भी मिल जाता है। ऐसे समर्थ गुरु स्पर्श करके या दया की दृष्टि डालकर के प्रसाद रूप में जब कोई चीज देते हैं तो वह फलदाई होता है।

गुरु पूर्णिमा के दिन निजधाम वासी बाबा जयगुरुदेव जी महाराज के द्वारा विहंगम दृष्टि डाला हुआ प्रसाद उनके उत्तराधिकारी बाबा उमाकान्त जी महाराज आप लोगों के लिए भेजे हैं।

आपको जानकारी हो कि यह वही बाबा उमाकान्त जी महाराज हैं जिनका दर्शन करने, सतसंग सुनने व बताए रास्ते पर चलने से तकलीफों में आराम मिलने लगता है। बाबाजी देश विदेश में घूम कर लाखों लोगों को भगवान की प्राप्ति का रास्ता बता चुके हैं। लोग यह **'सुरत शब्द योग'** की साधना करके लोक परलोक का आनंद प्राप्त कर रहे हैं। अपने जीवन के बचे हुए समय में से थोड़ा सा समय निकाल कर आप भी बाबा उमाकान्त जी महाराज का दर्शन जरूर करिएगा। आपके यहां यह जो गुरु पूजन और प्रसाद वितरण का कार्यक्रम होने जा रहा है उसमें पहुंचकर प्रसाद जरुर लीजिएगा।

बाबा उमाकान्त जी महाराज के जीव हितकारी वचन

- अनेक लोगों ने मुसीबत के समय **जयगुरुदेव** नाम बोलकर मदद ली है आप भी शाकाहारी, चरित्रवान एवं नशामुक्त रहते हुए संकट के समय प्रभु के पावन नाम 'जयगुरुदेव' की आजमाइश करके लाभ ले सकते हो।
- यह मनुष्य शरीर अनमोल है। इसे मांसाहार और नशाखोरी से जानलेवा बीमारियों का घर मत बनाओ।
- यह मनुष्य शरीर ही हिंदुओं का मंदिर, मुसलमानों की खुदाई मस्जिद, ईसाइयों का चर्च और सिखों का सच्चा गुरुद्वारा है।
- किराए के मकान की तरह यह मनुष्य शरीर जब वह मालिक खाली कराएगा तब यहां की कोई चीज साथ जाने वाली नहीं रहेगी।
- वक्त गुरु के बताये रास्ते पर चलने वालों की हर जगह रक्षा व मदद होती है।

पीछे पृष्ठ को भी पढ़ें...

जय गुरु देव

- ❖ वक्त के समर्थ गुरु का सतसंग सब प्रकार से फलदायी होता है। उनके सतसंग में जाने से बीमारी, तकलीफों में रहत तो मिलती ही है साथ ही साथ भाव-भक्ति के अनुसार कामना भी पूरी हो जाती है।
- ❖ मौत के बाद शरीर की मुक्ति तो श्मशान घाट पर हो जाती है लेकिन जीवात्मा की मुक्ति के लिए और उसे नर्क चौरासी से बचाने के लिए वक्त के सन्त सतगुरु के पास जाना ही पड़ता है।
- ❖ प्रभु, गुरु तथा मौत को हमेशा याद रखो।
- ❖ यह मनुष्य शरीर जीते-जी प्रभु दर्शन के लिए मिला है। समर्थ गुरु को खोजकर उनसे नामदान लेकर नाम की कमाई करके अपनी जीवात्मा का कल्याण करा लो।
- ❖ करोड़ों जन्मों के पुण्य जब इकट्ठा होते हैं तब समरथ सन्त के दर्शन, सतसंग और नामदान का लाभ मिलता है।
- ❖ नामदान बड़े भाग्य से मिलता है। नामदान ऐसी चीज है जो हैवान से इंसान, इंसान से भगवान और भगवान से परमात्मा बना देती है। नामदान से परमेश्वर मिल जाते हैं।
- ❖ इतिहास उठाकर देख लो, युग परिवर्तन के समय महापुरुषों की बात न मानने पर बहुत से लोगों की जान चली गई।
- ❖ कलयुग में ही सतयुग आने का समय हो रहा है इसलिए लोगों को नशामुक्त व शाकाहारी बनाओ जिससे खराब समय से बच जाएँ और सतयुग को अपनी आँखों से देख लें।
- ❖ आपकी वजह से किसी का नुकसान न हो। आप किसी के दिल को दुखाने का काम मत करो। किसी भी धार्मिक स्थान, ग्रंथ, मंदिर, पुजारी की निंदा मत करो।
- ❖ जातिवाद, भाई-भतीजावाद, भाषावाद, कौमवाद, एरियावाद खून बहा देता है। इससे दूर रहना चाहिए। लोगों को जोड़ने का काम करो, तोड़ने का नहीं।
- ❖ बराबर देश प्रेम बनाए रखना। देश की संपत्ति का कोई नुकसान आपकी वजह से ना हो इसकी पूरी कोशिश आपकी रहे।
- ❖ बिना मेहनत का पैसा फलता-फूलता नहीं है।
- ❖ बड़े-बुजुर्गों, माता-पिता की सेवा करो और अधिकारी, कर्मचारी सभी का सम्मान करो।

बीमारी व तकलीफों में आराम देने वाला नाम 'जयगुरुदेव'

जयगुरुदेव जयगुरुदेव जयगुरुदेव जय जयगुरुदेव

की ध्वनि रोज सुबह शाम बोलिए और परिवार वालों को भी बोलवाइये।

बाबा उमाकान्त जी महाराज के मुख्य आश्रम का पता
बाबा जयगुरुदेव धर्म विकास संस्था,
मक्सी रोड, उज्जैन (म.प्र.,भारत)
✆ 9575600700, 9754700200
jaigurudevukm

सम्पर्क

विनीत
बाबा जयगुरुदेव संगत
प्रांत का नाम.....